



HOMOEOPATHY UNIVERSITY

(Estd. vide Homoeopathy University Act 2010 (Act No. 6 of 2010) Govt. of Rajasthan)

Ref.: HU/2016/1333

28/9/16

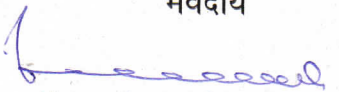
प्रेस विज्ञप्ति

डेंगू एवं चिकिनगुनिया से बचाव में होम्योपैथी अति प्रभावकारी हो सकती है...

जयपुर, 28 सितम्बर, 2016 मौसमी बिमारियों डेंगू एवं चिकिनगुनिया का प्रकोप दिनोदिन बढ़ता ही जा रहा है। आज सभी शहरों के अस्पताल एवं डिस्पेंसरी में डेंगू एवं चिकिनगुनिया से पीड़ित मरीजों की भीड़ लगी हुई है। होम्योपैथी विश्वविद्यालय के सचिव डॉ. तारकेश्वर जैन ने बताया कि ऐसे कठिन समय में जब इन बिमारियों का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है तब होम्योपैथी विश्वविद्यालय, सायपुरा सांगानेर द्वारा इन बिमारियों की रोकथाम और डेंगू एवं चिकिनगुनिया के मरीजों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करने हेतु दो नये प्रकोष्ठों की शुरुआत की गयी है जो होम्योपैथी विश्वविद्यालय के सायपुरा-सांगानेर स्थित कैम्पस के होम्योपैथिक अस्पताल एवं स्टेशन रोड स्थित अस्पताल डॉ. एम.पी.के. होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, अस्पताल एवं रिसर्च सेन्टर पर है। इन बिमारियों से बचाव के लिये उपरोक्त दोनों प्रकोष्ठों पर विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध हैं एवं विश्वविद्यालय द्वारा गठित टीमें डेंगू एवं चिकिनगुनिया से प्रभावित क्षेत्रों में दौरा कर रही है तथा मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं होम्योपैथिक दवाईयां उपलब्ध करा रही है।

डॉ. जैन ने बताया कि मिनिस्ट्री ऑफ आयुष के होम्योपैथिक विभाग के अनुसार डेंगू के प्रभाव से रोकथाम के लिये होम्योपैथिक दवाईयां काफी कारगर है जिनमें विशेषकर एक खुराक यूपैटोरियम परफोरेटम-30 पोटेंसी में 4-4 गोलियां व्यस्क को एवं 2-2 गोलियां बच्चों को तीन दिन तक देने से डेंगू से बचाव होता है एवं डेंगू से बचने के लिये इसी दवाई को प्रत्येक माह रिपीट करना चाहिये। ब्रायोनिया-30 की तीन खुराक दिन में तीन बार तीन दिन तक लेने से चिकिनगुनिया से बचाव होता है।

भवदीय


(डॉ. तारकेश्वर जैन)
कुल-सचिव 28/9/16